IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 10, Issue 1, October 2020
Impact Factor: 4.819

दूरस्थ प्रणाली उत्पादकता का शहरी रोजगार एवं भारतीय अर्थव्यवस्था की गुणवत्ता पर प्रभाव-:

डॉ. वंदना शर्मा

असिस्टेंट प्रोफेसर

राजकीय महाविद्यालय, रज़ा नगर, स्वार, रामपुर.

सारांश:

दूरस्थ कार्य के आगमन ने आर्थिक परिवर्तन के एक नए युग की शुरुआत की है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं की गतिशीलता को नया रूप मिला है दूरस्थ कार्य के संदर्भ में इस अवधारणा का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि यह आर्थिक गतिविधियों की एक श्रृंखला को जन्म देता है जो दूरस्थ श्रमिकों से उनके स्थानीय समुदायों तक फैलती है। दूरस्थ कार्य की बढ़ी हुई लचीलता और कम भौगोलिक बाधाओं ने संसाधनों के आवंटन को नया आकार दिया है। दूरस्थ कार्य पर निरंतर निर्भरता शहरी केंद्रों में वाणिज्यिक अचल संपत्ति की मांग में कमी ला सकती है, जिसके लिए अनुकूल शहरी नियोजन रणनीतियों की आवश्यकता होगी। रिमोट वर्क एक ऐसे उत्प्रेरक के रूप में उभरा है जिसका भारतीय अर्थव्यवस्था की गुणवत्ता पर परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ा है। तकनीकी प्रगति और वैश्विक परिस्थितियों से प्रेरित होकर, रिमोट वर्क के तरीकों को तेज़ी से अपनाए जाने से, सामुदायिक स्तर पर आर्थिक गतिशीलता में बदलाव आया है। कुल मिलाकर आर्थिक प्रोत्साहन मिलता है। इसके बदले में, इससे स्थानीय सरकारों का कर राजस्व बढ़ता है, जिससे वे सार्वजनिक सेवाओं और सामुदायिक विकास की पहलों में निवेश कर पाती हैं।

मुख्य शब्द: दूरस्थ कार्य उत्पादकता, शहरी रोजगार,आर्थिक गुणवत्ता |

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 10, Issue 1, October 2020
Impact Factor: 4.819

प्रस्तावना

दूरस्थ कार्य कोई बिल्कुल नई घटना नहीं है। ऐतिहासिक रूप से, लेखक, कलाकार और सलाहकार जैसे कुछ व्यवसायों को दूर से काम करने की स्वतंत्रता प्राप्त थी। हालांकि, 20वीं सदी के उत्तरार्ध और 21वीं सदी के आरंभ में इंटरनेट के आगमन और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के प्रसार ने दूरस्थ कार्य में सही मायने में क्रांति ला दी। वर्चुअल असिस्टेंट, वर्चुअल जॉब और दूरस्थ कर्मचारियों के उदय ने एक बड़ा बदलाव लाया है, जिससे कार्यबल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पारंपरिक कार्यालय परिवेश से बाहर काम करने में सक्षम हो गया है।

दूरस्थ कार्य (Remote Work) ने उत्पादकता को बढ़ाया है, कार्य-जीवन संतुलन में सुधार किया है, और कंपनियों के लिए परिचालन लागत में कमी की है। इसने मुख्य शहरी केंद्रों से आर्थिक गतिविधियों को उपनगरों में स्थानांतरित कर दिया है, जिससे स्थानीय व्यवसायों का पुनर्गठन हो रहा है और आवासीय संपत्तियों की मांग बदल रही है। इसके परिणामस्वरूप, अधिक लचीलापन और कार्य-जीवन संतुलन के साथ रोजगार की गुणवत्ता में वृद्धि हुई है, हालांकि सामाजिक अलगाव और अत्यधिक काम का जोखिम भी बना रहता है शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों पर दूरस्थ कार्य के प्रभाव का विश्लेषण कई कारणों से आवश्यक है। सबसे पहले, यह बदलती आर्थिक गतिशीलता और इन क्षेत्रों के बीच संसाधनों के पुनर्वितरण को समझने में सहायक होता है। दूसरे, यह इस परिवर्तन के सामाजिक और पर्यावरणीय परिणामों पर प्रकाश डालता है। अंत में, यह भविष्य की शहरी नियोजन और ग्रामीण विकास रणनीतियों को दिशा प्रदान करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि दोनों क्षेत्र दूरस्थ कार्य के इस नए युग में समृद्ध हो सकें। और साथ ही इसकी चुनौतियों को सक्रिय रूप से कम करने के उपाय करने चाहिए।फिर भी, यह पहचानना ज़रूरी है कि जहाँ रिमोट वर्क शानदार अवसर प्रदान करता है, वहीं यह ऐसी बाधाएँ भी खड़ी करता है जिनके लिए विवेकपूर्ण नीतिगत विचारों की आवश्यकता होती है। डिजिटल पहुँच और कौशल में असमानताओं के कारण विषमताएँ और बढ़ सकती हैं, और पारंपरिक कार्यालय स्थानों से दूर जाने का संक्रमण वाणिज्यिक रियल

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 10, Issue 1, October 2020
Impact Factor: 4.819

एस्टेट और संबंधित उद्योगों पर प्रभाव डाल सकता है। एक ऐसा संतुलन खोजना जो रिमोट वर्क के सकारात्मक प्रभावों को अधिकतम करे और साथ ही इसके संभावित नुकसानों को कम करे, निरंतर आर्थिक विस्तार के लिए आवश्यक है। स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं पर रिमोट लेबर के उत्प्रेरक प्रभाव से इनकार नहीं किया जा सकता। यह अध्ययन आवास और परिवहन से लेकर स्थानीय उद्यमों और सार्वजनिक सेवाओं तक, इसके बहुआयामी प्रभावों पर प्रकाश डालता है। इस संदर्भ में आर्थिक गुणकों के तंत्र को समझने से, हमें इस बात की गहरी समझ मिली है कि कैसे स्थानीय खर्च आर्थिक गतिविधियों की एक श्रृंखला को जन्म दे सकता है जो समुदायों की जीवंतता और लचीलेपन में योगदान करती है। जैसे-जैसे रिमोट वर्क हमारे आर्थिक परिदृश्य को नया आकार देना जारी रखेगा, नीति निर्माताओं, व्यवसायों और समाज को आम भलाई के लिए इसकी क्षमता का लाभ उठाना चाहिए

शहरी रोजगार एवं भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

उत्पादकता (Productivity): अधिकांश अध्ययनों के अनुसार, दूरस्थ कार्य उत्पादकता को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है, क्योंकि कर्मचारी अपने पसंदीदा कार्य परिवेश में काम करते हैं और उनका ध्यान कम भटकता है। कम काम के घंटों (commute time) के कारण मानसिक स्वास्थ्य और कार्य-जीवन संतुलन में भी सुधार हुआ है।

शहरी अर्थव्यवस्थाएं (Urban Economies):

शहरी स्थानांतरण: कार्य मुख्य रूप से बड़े शहरों के कार्यालयों से निकलकर आवासीय उपनगरों में स्थानांतरित हो गया है।

स्थानीय विकास: स्थानीय उद्यमों, कैफे और खुदरा दुकानों को फायदा हो रहा है, क्योंकि लोग अब घर के पास खरीदारी और उपभोग कर रहे हैं।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 10, Issue 1, October 2020
Impact Factor: 4.819

आवास बाजार: महानगरों में कार्यालय के पास रहने की जरूरत कम होने से रिहायशी इलाकों में घर की मांग बढ़ी है।

रोजगार की गुणवत्ता (Quality of Employment):

लचीलापन: कर्मचारियों को अपने समय और कार्य के घंटों को प्रबंधित करने में अधिक स्वायत्तता मिलती है, जिससे नौकरी की संतुष्टि बढ़ती है।

अवसर: यह छोटे शहरों और दूरदराज के क्षेत्रों के प्रतिभाओं के लिए बड़े शहरों में स्थित कंपनियों के साथ काम करने के अवसर खोलता है, जिससे रोजगार में विविधता आती है।

चुनौतियां: सामाजिक अलगाव, अत्यधिक कार्यभार और व्यक्तिगत एवं पेशेवर जीवन के बीच धुंधली रेखा (boundary) जैसी चुनौतियां भी हैं।

वाणिज्यिक अचल संपत्ति में परिवर्तन

शहरी क्षेत्रों में दूरस्थ कार्य के सबसे स्पष्ट आर्थिक प्रभावों में से एक वाणिज्यिक रियल एस्टेट की गतिशीलता में बदलाव है। कर्मचारियों के कार्यालय आने-जाने में कमी के कारण, बड़े कार्यालय भवनों की मांग घट गई है। इसके परिणामस्वरूप किराये में गिरावट आई है और रिक्त स्थानों में वृद्धि हुई है, जिससे मकान मालिक इन स्थानों को अन्य उपयोगों के लिए पुनर्व्यवस्थित करने के लिए प्रेरित हुए हैं।

स्थानीय व्यवसायों पर प्रभाव

शहरी क्षेत्रों में स्थानीय व्यवसायों पर भी दूरस्थ कार्य का प्रभाव पड़ा है। रेस्तरां, कैफे और खुदरा दुकानें, जो कभी कार्यालय कर्मचारियों की भीड़ पर निर्भर थीं, अब उनमें ग्राहकों की संख्या में गिरावट आई है। इससे व्यावसायिक रणनीतियों में बदलाव आवश्यक हो गया है, और कई प्रतिष्ठान अपने संचालन को बनाए रखने के लिए ऑनलाइन बिक्री और डिलीवरी सेवाओं की ओर रुख कर रहे हैं।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 10, Issue 1, October 2020
Impact Factor: 4.819

रोजगार बाजारों में बदलाव

दूरस्थ कार्य के बढ़ते चलन के कारण शहरी क्षेत्रों के रोजगार बाजार में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं। वर्चुअल असिस्टेंट और डिजिटल मार्केटर जैसे दूरस्थ रूप से किए जा सकने वाले पदों की मांग बढ़ गई है। इसके अलावा, कंपनियां उच्च गुणवत्ता वाले काम को बनाए रखते हुए लागत कम करने के लिए स्थानीय प्रतिभाओं की तलाश कर रही हैं। इस प्रवृत्ति के कारण शहरी केंद्रों में कार्यबल अधिक विविध और वैश्विक हो गया है।

इंटरनेट की उपलब्धता

इंटरनेट की उपलब्धता दूरस्थ कार्य का एक अभिन्न अंग है। दूरस्थ कर्मचारियों को अपने कार्यों को कुशलतापूर्वक पूरा करने के लिए विश्वसनीय और उच्च गति वाले इंटरनेट कनेक्शन की आवश्यकता होती है। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों ने इंटरनेट की उपलब्धता में सुधार लाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, हालांकि अभी भी कुछ असमानताएं मौजूद हैं। विभिन्न क्षेत्रों में दूरस्थ कार्य के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए इन कमियों को दूर करना आवश्यक है।

डिजिटल अवसंरचना

इंटरनेट की उपलब्धता के अलावा, दूरस्थ कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचा अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसमें डेटा सेंटर, क्लाउड सेवाएं और साइबर सुरक्षा उपाय शामिल हैं। दूरस्थ कर्मचारियों को सुरक्षित और कुशलतापूर्वक अपना काम करने के लिए आवश्यक उपकरण और संसाधन उपलब्ध कराने के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश आवश्यक है।

दूरस्थ सहयोग उपकरण

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सॉफ्टवेयर, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म और इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप्स जैसे रिमोट कोलैबोरेशन टूल्स रिमोट वर्क के माहौल में अपरिहार्य हो गए हैं। ये टूल्स दूरस्थ टीमों के बीच निर्बाध संचार और सहयोग को सक्षम बनाते हैं, जिससे भौतिक दूरी के बावजूद उत्पादकता और एकजुटता को बढ़ावा मिलता है।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 10, Issue 1, October 2020
Impact Factor: 4.819

निष्कर्ष

रिमोट वर्क एक ऐसे उत्प्रेरक के रूप में उभरा है जिसका स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं पर परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ा है। तकनीकी प्रगति और वैश्विक परिस्थितियों से प्रेरित होकर, रिमोट वर्क के तरीकों को तेज़ी से अपनाए जाने से, सामुदायिक स्तर पर आर्थिक गतिशीलता में बदलाव आया है। इस अध्ययन में स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं पर रिमोट वर्क के बहुआयामी प्रभावों की जाँच की गई है | रिमोट वर्क ने न केवल व्यक्तियों को उनके काम की व्यवस्थाओं में अधिक लचीलापन और स्वायत्तता दी है, बल्कि इसने ऐसी प्रतिक्रियाओं की एक श्रृंखला भी शुरू की है जिसका प्रभाव पूरी स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में गूंजा है। रिमोट वर्क के अवसरों के प्रसार ने आवास की प्राथमिकताओं, रियल एस्टेट बाजारों और स्थानीय आवास व्यवस्था को बदल दिया है। दूरस्थ कार्य का शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों पर गहरा और बहुआयामी प्रभाव है। जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी का विकास जारी है और कार्य के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण बदल रहे हैं, आज देखे जा रहे रुझान और भी तीव्र होने की संभावना है। शहरी क्षेत्रों में वाणिज्यिक अचल संपत्ति और स्थानीय व्यापार की गतिशीलता में निरंतर परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में और अधिक आर्थिक विकास और अवसंरचना का विकास हो सकता है। इन परिवर्तनों को अपनाना और दूरस्थ कार्य के लाभों का उपयोग करना शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में संसाधनों और अवसरों के अधिक संतुलित और न्यायसंगत वितरण की ओर ले जा सकता है।

सन्दर्भ

1. Allen, T. D., Golden, T. D., Shockley, K. M., 2015. How effective is telecommuting? Assessing the status of our scientific findings. Psychological Science in the Public Interest, 16(2), 40-68.
2. Beauregard, T. A., Basile, K., 2016. Strategies for successful remot work: How effective employees manage work/home boundaries. Strategic HR Review, 15(3), 106-111.

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 10, Issue 1, October 2020
Impact Factor: 4.819

3. Bitkom, 2013. Arbeit 3.0. Arbeiten in der digitalen Welt. [online] Available at: https://www.bitkom.org/sites/default/files/file/import/Studie-Arbeit-30.pdf [Accessed 4 June 2020].

4. Bloom, N, Liang, J., Roberts J., Ying Z. J., 2015. Does Working from Home Work? Evidence from a Chinese Experiment. The Quarterly Journal of Economics, 130(1), 165-2018.

5. Boell, S. K., Cecez-Kecmanovic, D., Campbell, J., 2016. Telework paradoxes and practices: The importance of the nature of work. New Technology, Work and Employment, 31(2), 114-131.

6. Boselie, P., 2010. Strategic human resource management. A balanced approach. Edition. Noida: Tata McGraw-Hill Education.

7. Charlampous, M., Grant, C., Tramontano, C., Michailidis, E., 2019. Systematically reviewing remote e-workers' well-being at work: A multidimensional approach. European Journal of Work and Organizational Psychology, 28(1), 51-73.

8.Eurofund, 2020. Tele work and ICT-based mobile work: Flexible working in the digital age. [online] Available at: https://www.eurofound.europa.eu/sites/default/files/ef_publication/ field_ef_document/ef19032en.p df [Accessed 15 May 2020].

9. Lucas Jr., H. C., Baroudi, J., 1994. The role of information technology in organization design. Journal of Management Information Systems, 10(4), 9-23.

10. Mowshowitz, A., 1994. Virtual organizations: A vision of management in the information age. The Information Society, 10(4), 266-288.

11. Peters, P., Lighart, P. E. M., Bardoel, A., Poutsma, E., 2016. "Fit" for telework? Cross-cultural variance and task-control explanations in organizations' formal telework practices. The International Journal of Human Resource Management, 27(21), 2582-2603.

12. Shin, B., El Sawy, O. A., Liu Sheng O. R., Higa, K., 2009. Telework: Existing research and Future Directions. Journal of Organizational Computing and Electronic Commerce, 10(2), 85-101.

13. Taskin, L., Bridoux, F., 2010. Telework: A challenge to knowledge transfer in organizations. The International Journal of Human Resource Management, 21(13), 2503-2520.

14. Troup, C., Rose, J., 2012. Working from home: do formal or informal telework arrangements provide better family outcomes? Community, Work & Family, 15(4), 471-486

15. Troup, C., Rose, J., 2012. Working from home: do formal or informal work arrangements provide better family outcomes? Community, Work & Family, 15(4), 471-486.